बाबा का दरबार लगै स री मंगल और शनिवार लिरिक्स

बाबा का दरबार लगै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

बालाजी की जोत जगै स,
कटते रोग पुराणे री कटते रोग पुराणे री,
एक दरखास लगै चरणां में,
पल में बाबा आणे री पल में बाबा आणे री,
पल में रोग कटै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

छोटे छोटे दो लाडु,
खाए त पेशी आव:स खाए त पेशी आव:स,
मार मार क सोटे बाबा,
घेर जोत प ल्याव: स घेर जोत प ल्याव: स,
ओपरा नहीं डटै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

दरबारां जोत जगै स,
पहरे प हनुमान खड़ै पहरे प हनुमान खड़ै,
धरया लंगोटा बालाजी का,
दिखं सं भगवान खड़ै दिखं सं भगवान खड़ै,
सोये भाग जगैं सं री,
मंगल और शनिवार।bd।

बाले भक्त जोत प बैठे,
सिर प हाथ मुरारी का सिर प हाथ मुरारी का,
महराणे में झंडा गडरहया,
बाबा संकटहारी का बाबा संकटहारी का,
गुहणिया राम रटै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

बाबा का दरबार लगै स री
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मंगल और शनिवार।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार जी।
खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com